

(Vii) समान प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द-

वे शब्द जो एक ही जाति के होने के कारण समान प्रतीत होते हैं लेकिन अर्थ भिन्न होता है, समान प्रतीत होने वाले भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं-

जैसे - अगम - जहाँ पहुँचना जा सके  
 दुर्गम - जहाँ पहुँचना कठिन हो

अमूल्य - जिसका कोई मूल्य ना हो

बहुमूल्य - जिसका बहुत मूल्य हो

अनुज - छोटा भाई

अग्रज - बड़ा भाई

भाई - छोटे-बड़े दोनों के लिए

अनुभव - अभ्यास या व्यवहार से प्राप्त ज्ञान

अनुभूति - चिंतन या मनन से प्राप्त आंतरिक

**आरम्भ-** पहली बार किसी कार्य की शुरुआत

**प्रारम्भ-** चलते हुए को आगे बढ़ाना

**अनुरूप-** समान या उपयुक्तता का बोध

**अनुकूल-** पक्ष या अनुसार का भाव प्रकट करना

**अस्त्र-** वे हथियार जो फेंक कर चलाए जाते हैं

**शस्त्र-** वे हथियार जो हाथ में रखकर चलाए जाते हैं

**आयुध-** हथियार रखने का स्थान



आयु - सम्पूर्ण जीवन काल

अवस्था - जीवन का बीता हुआ काल

अपराध - कानून के विरुद्ध कार्य करना

पाप - नैतिक मूल्यों के विरुद्ध कार्य करना

स्वागत - किसी के आगमन पर प्रसन्नता प्रकट करना

अभिनन्दन - किसी विशिष्ट व्यक्ति के आगमन पर औपचारिक रूप से

अभिवादन - जमस्कार/प्रणाम करना      सराहना/बधाई देना

- अणु - किसी पदार्थ की सबसे छोटी इकाई
- परमाणु - किसी तत्व की सबसे छोटी इकाई
- पर्याप्त - जितनी आवश्यकता हो उतना
- अधिक - जितनी आवश्यकता है उससे बढ़कर
- अति - आवश्यकता से बहुत ज्यादा
- भूल - सामान्य गलती जिसे सुधारा जा सकता है
- त्रुटि - बहुत बड़ी गलती जिसे सुधारना कठिन हो
- अशुद्धि - भाषा सम्बन्धी बोलने या लिखने में गलती

आधि - मानसिक कष्ट या पीड़ा

व्याधि - शारीरिक कष्ट या पीड़ा

नमस्ते - किसी व्यक्ति विशेष को किया गया अभिवादन

नमस्कार - किसी व्यक्तियों के समूह को किया गया अभिवादन

प्रणाम - माता-पिता या गुरुजनों को किया गया अभिवादन

आज्ञा - किसी बड़े के द्वारा छोटे को कार्य की कहना

अनुमति - किसी कार्य की स्वीकृति